भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2377
04.08.2025 को उत्तर के लिए

राष्ट्रीय प्राणी उद्यानों का प्रबंधन निजी संस्था को हस्तांतरित किया जाना

2377. सुश्री सयानी घोषः

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या राष्ट्रीय चिड़ियाघर या वन्यजीव पार्कों का प्रबंधन और नियंत्रण निजी संस्थाओं को हस्तांतरित करने के लिए कोई नीति/तंत्र है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या दिल्ली स्थित राष्ट्रीय प्राणी उद्यान ने निजी संस्थाओं के साथ कोई समझौता किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि दिल्ली स्थित राष्ट्रीय प्राणी उद्यान के जानवरों को निजी संस्थाओं के साथ साझा किया जाएगा या उनका आदान-प्रदान किया जाएगा और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या अन्य प्राणी उद्यानों का प्रबंधन और नियंत्रण निजी संस्थाओं के हाथों में हस्तांतरित करने के लिए राज्यों को कोई प्रस्ताव या परामर्श भेजा जाएगा और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) से (घ) चिड़ियाघरों, जिनमें राष्ट्रीय प्राणी उद्यान, दिल्ली भी शामिल है, द्वारा चिड़ियाघर के पशुओं के संरक्षण, अनुसंधान और कल्याण हेतु तकनीकी सहयोग समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। हालाँकि, राष्ट्रीय प्राणी उद्यान, दिल्ली द्वारा इसके प्रबंधन और नियंत्रण को किसी निजी संस्था को हस्तांतरित करने के संबंध में किसी समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए गए हैं। वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 चिड़ियाघरों की मान्यता और मान्यता प्राप्त चिड़ियाघरों द्वारा पशुओं के अधिग्रहण के लिए एक नियामक ढांचा प्रदान करता है।

केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण द्वारा चिड़ियाघरों का प्रबंधन और नियंत्रण निजी संस्थाओं को हस्तांतरित करने के लिए राज्यों को कोई सलाह जारी नहीं की गई है।

****